को पेश हो

4/10/24

पत्रावली आज प्रकाशन गोपी
के ओर अभियुक्त कौन कोर्ट
जयसिंह पुत्र के पेश हुये।
प्रा. पत्र 0224 का पेश हुआ
और शामिल पत्रावली किया गया
प्रा. पत्र पर अनुपस्थिति कारण को
स्वीकार किया प्रा. पत्र 0222 4 का
स्वीकार किया जाता है
न्यायहित में अभियुक्त पेश हुआ जो
संशोधित विशेष पेश किया गया।
शामिल पत्रावली रखा गया
अभियुक्त सं 22 के साक्ष्य किया
आरोप पेश नहीं किया
तक ... आरोप व अग्रिम कार्यवाही

Signature Not Verified
Digitally signed by Rahul Jain
Date: 2021.11.26 10:50:35 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner

बनाम

नाम न्यायालय

केस संख्या

क्रम संख्या	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
		सूचना के बावजूद भी डी०एफ०पी० [illegible] अतः उनके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लायी जाती है। प्रार्थी का शो.पत्र रेल्वे स्टेशन का न्यायहित में स्वीकार किया जाना न्यायोचित प्रतीत होता है। अतः प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र स्वीकार बाबत रेल्वे स्टेशन का किया जाकर मूल पत्रावली पुनः नम्बर पर दर्ज करने के आदेश दिये जाते हैं। पत्रावली कार्यवाही से [illegible] हाजिर होकर दर्ज रजिस्टर से [illegible] तथा दाखिल दफ्तर हो वाद के सोमवार है।	

Signature Not Verified

Digitally signed by Rahul Jain
Date: 2021.11.26 10:50:35 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner